प्रतिबिम्ब

(NEWS LETTER)

कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर

NAAC IInd Cycle : B++ (2.91)
Certified : ISO 9001-2015

KMGGPGC

स्थापना वर्ष-1997

VOL.3 / ISSUE 2/Oct 2020–Dec 2020

प्राचार्य की कलम से

जीवन की राह में व्यक्तियों का भ्रमित होना सामान्य प्रक्रिया है किन्तु यह भी सत्य है कि जब व्यक्ति भ्रमित हो जाते है तो सत्य के मार्ग की पहचान नहीं कर पाते। सामान्यतः देखा जाता है कि जब तक हमें असफलता हाथ नहीं लगती, तब तक हम वांछित मार्ग तक नहीं पहुंच पाते। सत्य का मार्ग प्रायः कठिन होता है तथा इस मार्ग पर चलना हर किसी के सामर्थ्य की बात नहीं परंतु इस मार्ग पर चलकर ही व्यक्ति को आत्म संतुष्टि, यश व वास्तविक लक्ष्य की प्राप्ति होती है । ऐसी स्थिति में केवल इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि यदि लक्ष्य तक पहुंचने का मार्ग दिखाई ना दे रहा हो, तो जहां तक रास्ता दिख रहा है, वहां तक चलिए, आगे का रास्ता वहां पहुंचने के बाद स्वयं दिखने लगेगा।

असफलता को सफलता के सोपान समझते हुए महापुरुषों की जीवनी से सीख लेना, बड़ों की आज्ञा का पालन करना, मधुर वाणी बोलते हुए सभी का आशीर्वाद प्राप्त करना व सत्कर्म की राह पर चलना ही हमें दिग्भ्रमित होने से बचा सकता है। महाविद्यालय परिवार सहित समस्त हितधारकों के लिए आगामी नववर्ष नई संभावनाओं को लेकर आए। अनंत शुभकामनाएं ।

-डॉ. दिव्या नाथ

महात्मा गाँधी एवं शास्त्री जयंती का आयोजन

महाविद्यालय में भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयन्ती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या द्वारा ध्वजारोहण एवं समस्त शिक्षकों द्वारा राष्ट्रीय गान के सामूहिक स्वर के साथ हुआ। इसके पश्चात् महाविद्यालय में स्थापित गाँधी गैलरी में महात्मा गाँधी जी को पुष्प अर्पित किए गए। तत्पश्चात् विशाल सभागार में दोनों राष्ट्रीय नायकों के चित्रों पर डॉ.दिव्या नाथ जी द्वारा विधिवत माल्यार्पण किया गया। इसी क्रम में प्राध्यापकों द्वारा भी महान हस्तियों के सम्मुख पुष्प अर्पित किए गए। कार्यक्रम के अगले पड़ाव में सर्वधर्म पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. कनकलता यादव,डॉ. श्वेता सिंह,डॉ. मो. वकार रजा, डॉ. नीलम शर्मा एवम डॉ. मणि अरोड़ा द्वारा क्रमशः गीता,बाइबल,कुरान,रामचरितमानस एवम गुरुग्रंथ साहिब का पाठ किया गया तथा संगीत विभाग प्रभारी डॉ. बबली अरुण के निर्देशन में समस्त शिक्षकों एवम कर्मचारियों द्वारा रामधुन का मधुर गायन हुआ। कार्यक्रम के अन्तिम सत्र में संस्था की प्राचार्या द्वारा अपने अध्यक्षीय संबोधन में उत्कृष्ट राष्ट्र की परिकल्पना को साकार करने के लिए राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को स्वयं में महात्मा गाँधी के जीवन मूल्य एवम शास्त्री जी के पुरुषार्थ के शीलगुण को समाहित करने का आह्वान किया गया । इसी क्रम में कार्यक्रम संचालिका एवम मुख्य समारोहिका डॉ. रश्मि कुमारी द्वारा उपस्थित सभागार को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में प्रकृति के प्रति दायित्व के निर्वहन हेतु एन.एस.एस व एन.सी.सी इकाई के तत्वावधान में संस्था की प्राचार्या एवं शिक्षकों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम में सभी शिक्षकों की उपस्थिति एवं पूर्ण सहयोग रहा।

विश्व हाथ धुलाई दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

महाविद्यालय में विश्व हाथ धुलाई दिवस के उपलक्ष्य में दिनाँक 15 अक्टूबर 2020 को कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की गई। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा डॉ. शिल्पी एवम डॉ.नेहा त्रिपाठी के नेतृत्व में महाविद्यालय की छात्राओं को हाथ धोने की सप्तपदीय विधि से अवगत कराया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा की गई। अपने उद्बोधन में उन्होंने छात्राओं को वैश्विक महामारी के परिदृश्य में सामाजिक दूरी के नियम, मास्क की अनिवार्यता एवम हाथों की स्वच्छता को जीवन मूल्य बनाने हेतु अभिप्रेरित किया। इसी क्रम में डॉ. शिल्पी द्वारा साबुन एवं सैनिटाइजर का सही उपयोग एवं विधि प्रदर्शित की गयी। इस अवसर पर संस्था में साबुन दान पात्र की भी स्थापना की गई । लगभग डेढ़ सौ छात्राओं ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की। इस क्रम में ''सभी के लिए हाथ स्वच्छता'' विषय पर छात्राओं हेतु एक पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने अपनी तूलिका द्वारा हाथ की स्वच्छता व उसके फायदों को चित्रों के रूप में दर्शाया। इस पोस्टर प्रतियोगिता में प्रिया रघुवंशी (बी.एड. द्वितीय वर्ष) ने प्रथम स्थान,नेहा रानी (एम.एस सी .तृतीय सेमेस्टर)ने द्वितीय स्थान व श्वेता भाटी (एम.एस सी. तृतीय सेमेस्टर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी विषय पर छात्राओं के मध्य स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें छात्राओं द्वारा विभिन्न स्लोगनों के माध्यम से हाथ की स्वच्छता एवं उसके फायदों को दर्शाया । इस प्रतियोगिता में कुमारी निशा भाटी (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने प्रथम,निक्की (बी.ए. द्वितीय वर्ष) ने द्वितीय तथा कुमारी दीपिका एम.ए. (द्वितीय वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

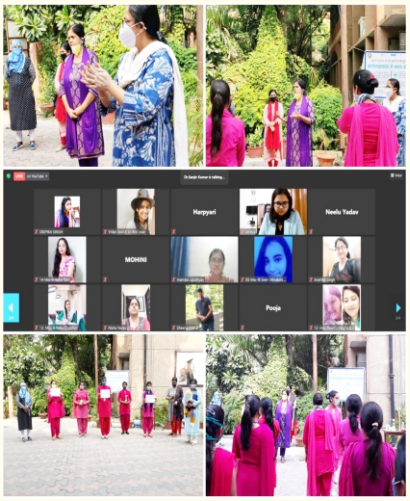

सम्पादिका की कलम से

शिक्षा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का सर्वाधिक सशक्त माध्यम है। शिक्षा ही वह ज्ञान ज्योति है, जो व्यक्ति के अंतः करण में तमस को नष्ट कर, उसे विवेक शक्ति से आप्लावित करती है। नई शिक्षा नीतिः 2020 निसंदेह भारत के उज्ज्वल भविष्य की अनंत संभावनाएं लेकर आई है। शिक्षा में सर्वांगीणता को समाहित करने वाली नई शिक्षा नीति, भारत को पुनः विश्वगुरु के रूप में स्थापित करने हेतु प्रतिबद्ध है। ''सा प्रथमा संस्कृतिः विश्ववारा'' के अनुरूप भारतीयता के गौरवबोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में युवा शक्ति का विकास'' नई शिक्षा नीति का आह्लादक स्वप्न है, किंतु संकल्प से सिद्धि के बीच का मार्ग सहज नहीं होता। इस स्वप्न को साकार करने में शिक्षकों एवं शिक्षण संस्थानों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। कु. मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर का प्रत्येक विभाग नई शिक्षा नीति के पुनीत लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु कृत संकल्पित है एवं सिद्धांत को व्यवहारिक स्तर पर लाने हेतु यथाशक्ति प्रयासरत है। इन्हीं प्रयासों का प्रतिबिंब महाविद्यालय के न्यूजलेटर के वर्तमान अंक के रूप में आप सभी सुधिजनों के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

- डॉ दीप्ति वाजपेयी

हैंड वाश एवं स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन

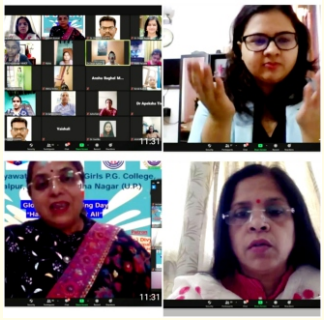

महाविद्यालय में दिनाँक 15 अक्टूबर 2020 को एक ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई, जहां उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुपालन में विश्व हाथ धुलाई दिवस के आयोजन के इतिहास,अवधारणा एवम उद्देश्यों,हाथों की स्वच्छता की वैज्ञानिक प्रासंगिकता एवं हाथ धोने की उपयुक्त विधि, कोविड–19 के दृष्टिगत संक्रमण से बचाव हेतु सावधानियों आदि पर व्यापक व्याख्यान एवम विमर्श हुआ। कार्यशाला का आयोजन संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.)दिव्या नाथ की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य विषय वक्ता के रूप में आमंत्रित गांधी मेडिकल कॉलेज,भोपाल की नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रेया त्यागी ने सभी उपस्थित छात्राओं को हाथ धोने की वैज्ञानिक विधि को प्रदर्शित करके दिखाया। प्रश्नोत्तर सत्र में डॉ. श्रेया त्यागी द्वारा शिक्षकों एवम छात्राओं के प्रश्नों के भी उत्तर दिए जिस कारण कार्यशाला अपने उद्देश्यों की पूर्ति में सफल सिद्ध हुई । अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ ने छात्राओं से स्वच्छता को एक जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। अपने सारगर्भित व्याख्यान में हाथ धोने के समय एवम वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मोबाइल से उत्पन्न हो रहे संक्रमण के खतरे से आगाह किया तथा उन्होंने बताया कि मोबाइल की स्क्रीन के एक वर्ग इंच क्षेत्र में पच्चीस हजार बैक्टीरिया पनप सकते हैं। अतः मोबाइल के उपयोग में भी स्वच्छता एवम सावधानी आवश्यक है। डॉ. दिव्या नाथ द्वारा स्वच्छता को संकल्प के रूप में अंगीकार करने की अनिवार्यता पर विशेष बल दिया गया क्योंकि स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में अब युवाओं को ही युग का पथ प्रदर्शन करना होगा। धन्यवाद ज्ञापन सत्र में कार्यक्रम की मुख्य समारोहिका डॉ.रश्मि कुमारी द्वारा भारतीय मूल्यों एवम संस्कृति में वर्णित व्यवहार मानदंडों की वैज्ञानिकता को स्पष्ट करते हुए कहा गया कि अब वक्त आ गया है कि हाथ धोकर पीछे पड़ने वाले मुहावरे को रूपांतरित कर हाथ धोने के पीछे पड़ने के रूप में स्वीकार किया जाए। उनके द्वारा कार्यशाला के सफल आयोजन एवं समापन हेतु महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर डॉ.दिव्या नाथ, समस्त शिक्षकों एवम समस्त छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर जूम प्लेटफार्म एवम यू–ट्यूब मंच पर 500 छात्राओं की उपस्थिति सराहनीय रही।

मिशन शक्ति के कार्यक्रमों की अजस्र धारा

महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार महिलाओं के सुरक्षा सम्मान व स्वावलंबन हेतु दिनांक 17 अक्टूबर 2020 से 25 अक्टूबर 2020 तक मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । 17 अक्टूबर को उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा जी द्वारा मिशन शक्ति का मेगा लॉन्च किया गया। दिनांक 18 अक्टूबर को इस संगोष्ठी के माध्यम से डॉ. अर्चना सिंह प्रभारी मिशन शक्ति ने मिशन शक्ति कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि गौतम बुद्ध नगर, जनपद मिशन शक्ति, नोडल अधिकारी एवं महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शारदीय नवरात्रि से वासन्तिक नवरात्रि तक चलने वाले इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा सम्मान व स्वाबलंबन दिलाना है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अर्चना वर्मा असि. प्रो. समाजशास्त्र व द्वितीय मुख्य वक्ता श्री महेंद्र प्रताप सिंह, अधिवक्ता सर्वोच्च न्यायालय ने बालिकाओं को उनके सम्मान व अधिकार के प्रति जागरूक किया तथा प्राचार्या द्वारा महिला सुरक्षा व सम्मान से संबंधित शपथ छात्राओं, प्राध्यापकों व अभिभावकों को दिलाई गई।19 अक्टूबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉ. प्रीति सिंह ने कोविड काल में किस तरह के खानपान से हम स्वस्थ रह सकते हैं इस बारे में विस्तृत जानकारी दी। 20 अक्टूबर को ह्यूमन टच फाउंडेशन एवं ऑल इंडिया वुमन कॉन्फ्रेंस ग्रेटर नोएडा ब्रांच की प्रेसिडेंट डॉ. उपासना सिंह ने वर्तमान समय में व्याप्त लैंगिक विषमता के बारे में छात्राओं व उनके परिजनों को विस्तृत जानकारी दी। 21 अक्टूबर को डॉ. सत्यंत कुमार के द्वारा महिलाओं के प्रति बढ़ते साइबर अपराध व साइबर सुरक्षा विषय पर उन्होंने बताया कि किस प्रकार हम थोड़ी सी सावधानी के द्वारा सोशल मीडिया पर हुए अपराधों से बच सकते हैं । 22 अक्टूबर को डॉ. शिवानी वर्मा द्वारा बालिका स्वास्थ्य संवर्धन एवं पोषण विषय पर विस्तृत चर्चा की एवं सुश्री शिल्पी वर्मा द्वारा बताया गया कि किस प्रकार हम अपने आहार में परिवर्तन करके अपने स्वास्थ्य का संवर्धन कर सकते हैं। 23 अक्टूबर को डॉ. मनोज त्रिपाठी एसोसिएट प्रोफेसर सुभारती विधि विश्वविद्यालय, मेरठ ने महिलाओं से संबंधित कानून व महिला अधिकार पर अत्यंत ज्ञानवर्धक जानकारी दी । 24 अक्टूबर को राष्ट्रीय कैडेट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना व रेंजर्स की पंजीकृत छात्राओं ने अपने अपने गांव में जन जागरूकता के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को मिशन शक्ति योजना के बारे में बताया एवं उन्हें रक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक किया तथा महिलाओं में आत्मनिर्भरता की भावना का विकास किया। महाविद्यालय द्वारा महिला सशक्तिकरण के विविध आयाम विषय पर संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर दिव्या नाथ एवं मुख्य अतिथि डॉ. प्रमोद कुमारी, मिशन शक्ति, नोडल अधिकारी जनपद मुजफ्फरनगर व प्राचार्य राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांधला शामली तथा कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. अनुपम शर्मा प्रोफेसर राजनीति विज्ञान एवं मानवाधिकार विभाग इंदिरा गांधी जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक, मध्य प्रदेश ने कार्यक्रम को गरिमामय रूप प्रदान किया।25 अक्टूबर को राष्ट्रीय सेवा योजना, रेंजर्स राष्ट्रीय कैडेट कोर की पंजीकृत स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा बादलपुर गांव में वृहद रूप से जन जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया तथा गांवों में बेटा–बेटी में अंतर न करने की शपथ दिलाई गई । तत्पश्चात् डॉ. संजीव कुमार द्वारा मिशन शक्ति जैसे कार्यक्रमों के उद्देश्य व औचित्य पर विचार किया गया । कार्यक्रम के अगले चरण में महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा मिशन शक्ति से प्राप्त अनुभव को साझा किया गया। डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के द्वारा लोगों में अपनी मानसिकता में परिवर्तन लाने एवं बेटियों को प्रायोगिक रूप से सशक्त होने को प्रेरित किया गया। प्रतिदन कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में सायँ 5:00 से 6:00 तक आत्म सुरक्षा की तकनीकों से परिचित कराते हुए मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दिया गया । यह कार्यक्रम सम्पूर्ण मिशन शक्ति टीम के सक्रिय व सराहनीय सहयोग से अद्यतन अनवरत रूप से संचालित किया जा रहा है जिसमें महिला शक्ति स्वाभिमान एवं सुरक्षा से संबंधित विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगिताओं, व्याख्यानमाला आदि का आयोजन प्रतिदिन किया जा रहा है।

''स्टार्टअप इकोसिस्टम एट इंस्टीट्यूशनल लेवल'' पर कार्यशाला का आयोजन

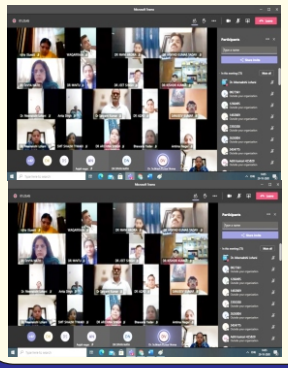

महाविद्यालय में इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन समिति के तत्वाधान में दिनांक 20.10.2020 को प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के संरक्षण एवं अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्तर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका विषय रहा– Startup Ecosystem at institutional Level. इस कार्यशाला में प्रमुख वक्ता के रूप में प्रोफेसर एस. के. वर्मा , डीन, गलगोटिया कॉलेज इंजीनियरिंग एवं तकनीकी, ग्रेटर नोएडा ने महाविद्यालय स्तर पर स्टार्टअप के प्रावधानों पर व्याख्यान दिया। इसी क्रम में प्रोफेसर वर्मा ने स्टार्टअप वर्ल्ड में इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन IIMA के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। साथ ही टीचिंग ट्रेनिंग, उक्त संस्था को फंडिंग, अटल इनक्यूबेशन मिशन इन सभी बिंदुओं का संस्था से विश्लेषण करते हुए उसकी बारीकियों से सभी को अवगत कराया। व्याख्यान के द्वितीय चरण में प्रोफेसर वर्मा ने महाविद्यालय प्राध्यापक एवं छात्राओं के प्रश्नों का समाधान किया। इससे इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन कार्यशाला की सार्थकता सिद्ध होती प्रतीत हुई । प्रोफेसर वर्मा ने अपने प्रांजल, विशद , व्यावहारिक ज्ञान से महाविद्यालय इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन के क्षेत्र में स्रोताओं को नई दिशा प्रदान की । समिति प्रभारी डॉ. अनीता सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया । डॉ. सत्यन्त कुमार के अनवरत प्रयास से कार्यशाला अपने उद्देश्यों में सफल रही। समिति के सदस्य डॉ. सुशीला, डॉ. मीनाक्षी लोहानी, डॉ. विनीता सिंह एवं डॉ. कनक लता ने भी अपना सराहनीय योगदान दिया।

''वर्तमान परिदृश्य में मुद्रास्फीति और निवेशक जागरूकता'' विषय पर कार्यशाला

महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में दिनांक 28 अक्टूबर 2020 को इन्वेस्टमेंट अवेयरनेस पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ द्वारा की गई। मुख्य वक्ता के रूप में श्री रघुनंदन पटनायक नेशनल ट्रेनर बी.एफ.एस.आई ने निवेश के विभिन्न पहलुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला का संचालन करते हुए कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. अरविंद कुमार यादव ने सर्वप्रथम मुख्य वक्ता का स्वागत उद्बोधन किया एवं कार्यशाला की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात् मुख्य वक्ता ने अपने उद्बोधन में आर्थिक सुरक्षा एवं नियोजन की आवश्यकता पर बल देते हुए इसे वर्तमान समय का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दा बताया तथा आर्थिक नियोजन के विभिन्न आयामों, स्तरों तथा स्मरणीय बिन्दुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।कार्यशाला के द्वितीय चरण में श्री रघुनंदन पटनायक ने प्रतिभागियों के विभिन्न सवालों के समुचित उत्तर दिए एवं उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया।कार्यशाला के अंत में प्राचार्य द्वारा आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सदस्यों की उपर्युक्त प्रयास के लिए प्रशंसा की एवं आगे भी इस प्रकार के आयोजनों पर बल दिया गया। अन्तिम चरण में आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रभारी एवं कार्यशाला संयोजक डॉ. किशोर कुमार द्वारा प्राचार्या महोदया, आमंत्रित वक्ता एवं समस्त प्रतिभागियों का आभार ज्ञापन किया गया ।कार्यक्रम के आयोजन में कार्यशाला के संयोजक डॉ. दिनेश चंद शर्मा , डॉ. किशोर कुमार, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, आयोजन सचिव श्रीमती शिल्पी व डॉ. अरविन्द कुमार यादव का विशिष्ट योगदान रहा । कार्यशाला में महाविद्यालय प्राध्यापकों के अतिरिक्त विभिन्न अन्य महाविद्यालयों के प्राध्यापकों एवं छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

''लर्निंग आउटकम एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०'' पर ऑनलाइन कार्यशाला

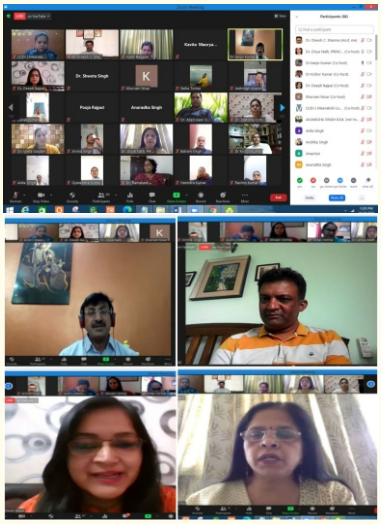

महाविद्यालय में दिनाँक 30 अक्टूबर, 2020 को लर्निंग आउटकम एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 समिति के संयुक्त सौजन्य से ''एक दिवसीय कार्यशाला'' का ऑनलाइन आयोजन किया गया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय,अलीगढ़ के शारीरिक शिक्षा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सैयद खुर्रम निसार द्वारा ''लर्निंग आउटकमः ब्रिजिंग द पालिसी एंड प्रैक्टिस गैप्स इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ एन.ई.पी– 20'' विषय पर प्रयोगात्मक विमर्श किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा उद्देश्य केन्द्रित प्रक्रिया है अतः वर्तमान शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में उद्देश्यों के निर्माण एवं निर्धारण की कला भी शिक्षण कौशल का आवश्यक एवं अनिवार्य घटक है। कार्यशाला का प्रारंभिक सत्र प्रश्नोत्तर एवं विषयगत चर्चा पर केन्द्रित रहा। इसके उपरान्त द्वितीय सत्र में डॉ. सैयद खुर्रम निसार द्वारा नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं राष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रारूप के सापेक्ष लर्निंग आउटकम लिखने की प्रामाणिक विधि से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। उन्होंने प्रत्येक विषय की प्रकृति के अनुसार उद्देश्य कथन लिखने की कला को 4C के सूत्र पर आधारित कर स्पष्ट किया। कार्यशाला के तृतीय एवं अंतिम सत्र में डॉ.सैयद खुर्रम निसार द्वारा प्रतिभागियों के समस्त प्रश्नों के उत्तर तथा विषय केन्द्रित समस्याओं के समाधान किये गए। धन्यवाद ज्ञापन के दायित्व का निर्वहन नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति समिति प्रभारी डॉ. दीप्ति वाजपेयी द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ एवम आमंत्रित विशेषज्ञ डॉ. सैयद खुर्रम नासिर सहित समस्त प्रतिभागियों को उनके सहयोग एव सहभागिता हेतु धन्यवाद प्रेषित किया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवम छात्राओं की उपस्थिति एवम सहयोग सराहनीय रहा।

सरदार वल्लभ भाई पटेल, आचार्य नरेन्द्र देव एवं महर्षि वाल्मीकि जयन्ती

महाविद्यालय में दिनाँक 31 अक्टूबर 2020 को सरदार वल्लभ भाई पटेल (राष्ट्रीय दिवस),आचार्य नरेन्द्र देव एवं महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए ।ऑनलाइन मंच पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य समारोहिका डॉ. रश्मि कुमारी द्वारा विषय से संबंधित प्रस्तावना प्रस्तुत की गई, जहां उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल सहित महर्षि वाल्मीकि एवं आचार्य नरेन्द्र देव जी के जीवन संदर्भों पर प्रकाश डाला। उक्त क्रम में बी.एड.द्वितीय वर्ष की छात्रा कु.आकांक्षा एवं कु.साधना द्वारा सरदार वल्लभ भाई पटेल सहित महर्षि वाल्मीकि एवं आचार्य नरेंद्र देव के प्रेरक संवादों से समस्त प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा वर्तमान अतंर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में सरदार वल्लभ भाई पटेल के राजनीतिक दर्शन को वर्तमान समय में भी उतना ही प्रासंगिक बताया गया जितना आजादी के दौर में था। उन्होंने सरदार पटेल का सन्दर्भ देते हुए कहा कि भारतीयता ही भारत की मर्यादा है। उन्होंने सभी छात्राओं का आह्वान किया कि वे महर्षि वाल्मीकि एवं आचार्य नरेन्द्र देव के आदर्शों से अपने आचरण को नई दिशा प्रदान करें। कार्यक्रम के अगले पड़ाव में छात्राओं द्वारा my gov. Platform पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस क्विज में बढ़ चढ़कर भाग लिया गया तथा प्रमाणपत्र प्राप्त किये । समापन सत्र में डॉ. रश्मि कुमारी द्वारा जैन शिक्षा शोध संस्थान,लखनऊ द्वारा आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता की आख्या प्रस्तुत की गई। इसके उपरांत उनके द्वारा प्राचार्या तथा सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस अवसर पर समस्त शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित थीं ।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

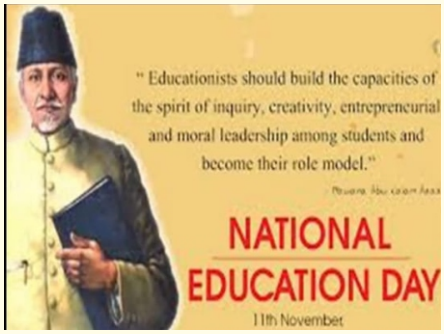

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन महाविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा 11 नवंबर 2020 को ऑनलाइन माध्यम से किया गया ।यह दिवस स्वतंत्रता सेनानी एवं भारत के शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। इस अवसर पर श्री मौलाना आजाद के जीवन–वृत्त एवं विचारों पर प्रकाश डाला गया। छात्राओं को भारतीय शिक्षा में उनके द्वारा किए गए कार्य और आई0आई0टी0, यू0जी0सी और उच्च शिक्षण संस्थानों की स्थापना करने में किए गए प्रयासों की जानकारी दी गई।इसके साथ ही इस वर्ष राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2020 की थीम 'कौशल जागरूकता और सशक्तिकरण' के बारे में भी सूचना प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ0सोनम शर्मा, विभाग प्रभारी, शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा किया गया।

''शुभ दीपावली, पर्यावरण संरक्षित दीपावली'' पर कार्यशाला आयोजित

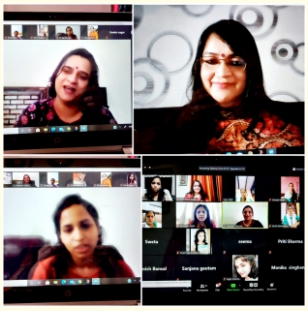

महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में दिनांक 13 नवंबर 2020 को प्राचार्य डॉ. दिव्यानाथ की अध्यक्षता में ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विषय था 'शुभ दीपावली, पर्यावरण संरक्षित दीपावली '। प्रस्तुत कार्यशाला में संस्कृत विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. दीप्ति वाजपेयी ने प्रदूषण रहित दीपावली मनाने के लिए छात्राओं को अभिप्रेरित किया । इसके साथ पटाखे से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण, विभिन्न रोग, ओजोन परत क्षरण पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। डॉ. नीलम शर्मा ने ध्वनि प्रदूषण एवं वायु प्रदूषण से होने वाले नुकसान के विषय में विस्तार से बताया, साथ ही छात्राओं को समझाया कि बिना पटाखे के हरित दीपावली मनाया जाना चाहिए जो सभी के लिए लाभप्रद व आवश्यक है । डॉ. कनकलता ने कोविड–19 के संदर्भ में प्रदूषण रहित दीपावली पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया की पटाखे से उत्पन्न जहरीली गैसों से वायु प्रदूषण के बढ़ने पर कोविड–19 के संक्रमण में वृद्धि हो सकती है, इसके साथ ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण इन सभी से बुजुर्ग ,बच्चे, रोगी गंभीर स्थिति में आ सकते हैं। कार्यशाला के अंत में प्राचार्या द्वारा विभाग प्राध्यापकों व छात्राओं के पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से किए गए इस प्रयास की सराहना की तथा छात्राओं को शपथ दिलाई कि वह पटाखे मुक्त दीपावली मनाकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देंगी। इस ऑनलाइन कार्यशाला में स्नातक स्तर एवं स्नातकोत्तर स्तर की संस्कृत विभाग की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं ने भी हरित दीपावली पर अपने विचार व्यक्त किए, साथ ही पटाखे विहीन दीपावली मनाने का संकल्प लिया। इसी क्रम में छात्राओं ने विभिन्न पोस्टर के माध्यम से अपने मनोभावों को भी व्यक्त किया । पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से यह कार्यशाला अपने उद्देश्यों की पूर्ति में सफल रही।

राष्ट्रीय कैडेट कोर के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम संपन्न

महाविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी) इकाई द्वारा लेफ्टिनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी के निर्देशन में अक्टूबर,नवम्बर तथा दिसम्बर,2020 में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्वप्रथम दिनाँक 22 नवम्बर 2020 को (online zoom) एन. सी .सी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन किया गया। दिनाँक 27 नवम्बर 2020 को एन.सी.सी प्रथम वर्ष हेतु 13 गर्ल्स एन.सी.सी बटालियन के अधिकारियों द्वारा कैडेट्स का चयन किया गया। दिनाँक 01 दिसम्बर,2020 को संस्था में ''स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम'' का शुभारंभ हुआ। स्वच्छता अभियान के तहत दिनाँक 02 दिसम्बर,2020 को स्वच्छता रैली निकाली गई। दिनाँक 03 दिसम्बर, 2020 को भाषण एवं संवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। दिनाँक 04 दिसम्बर,2020 को कचरे के विसंयोजन की विधियों पर आधारित नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया। दिनाँक 05 दिसम्बर,2020 को सादोंपुर बस स्टैंड तथा स्वास्थ्य केन्द्र, बादलपुर पर श्रमदान अभियान चलाया गया। दिनाँक 06 दिसम्बर,2020 को ''व्यक्तिगत स्वच्छता दिवस'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनाँक 07 दिसम्बर,2020 को ''खुले में शौच के विरुद्ध'' जागरूकता के लिए रैली निकाली गई। दिनाँक 08 तथा 09 दिसम्बर,2020 को क्रमशः स्वच्छता कार्यक्रम तथा हैंडवाश दिवस मनाया गया।दिनाँक 10 दिसम्बर,2020 को ग्राम पंचायत बादलपुर स्थित बाबा साहिब अंबेडकर तथा माननीय कांशीराम पार्क में स्वच्छता अभियान चलाया गया। दिनाँक 11 दिसम्बर,2020 को पलोग्गिंग कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय से ग्राम पंचायत बादलपुर तथा सादोंपुर तक सुबह सुबह जॉगिंग करते हुए कूड़ा उठाकर समस्त मार्गों को कूड़ा मुक्त किया गया। दिनाँक 12 दिसम्बर,2020 को महाविद्यालय की समस्त कैडेट्स द्वारा सादोंपुर की झाल के दोनों किनारों की साफ सफाई की गई। दिनाँक 13 दिसम्बर 2020 को ऑनलाइन माध्यम से '' प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंटःए वे अहेड'' शीर्षक पर ऑनलाइन सेमिनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विषय विशेषज्ञ के रूप में वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने सभी कैडेट्स और प्रतिभागी छात्राओं को प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट की नई तकनीकों के साथ साथ दैनिक जीवन में प्लास्टिक वेस्ट के प्रबंधन के सरल उपायों से परिचित कराया। दिनाँक 14 दिसम्बर,2020 को स्वच्छता पखवाड़े के तहत वाल–पेंटिंग तथा निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित कर छात्राओं के चिंतन को चित्रों तथा विचारों को कलम के माध्यम से प्रकटीकरण का मंच प्रदान किया गया। दिनाँक 15 दिसम्बर,2020 को महाविद्यालय के प्राचार्य की अध्यक्षता में स्वच्छता पखवाड़े का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर एन.सी.सी इकाई प्रभारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी द्वारा पन्द्रह दिवस की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की आख्या प्रस्तुत की गई जिसके उपरान्त विभिन्न गतिविधियों में विजेता छात्राओं को पुरस्कार वितरित किये गए।

संविधान दिवस

महाविद्यालय में डॉ. अंबेडकर अध्ययन केंद्र व राजनीति विज्ञान विभाग के अंतर्गत संविधान दिवस महाविद्यालय के समस्त अध्यापकों एवं छात्राओं के साथ उचित सामाजिक दूरी के साथ मनाया गया। इस उपलक्ष्य में छात्राओं को संविधान से संबंधित संछिप्त लिखित बुकलेट वितरित की गई। डॉ. डी.सी. शर्मा जी के द्वारा संविधान की प्रस्तावना की शपथ छात्राओं एवं प्राध्यापकों को दिलवाई गई, साथ ही डॉ. अंबेडकर अध्ययन केंद्र की डायरेक्टर डॉ. सीमा देवी ने सभी छात्राओं को संविधान के मौलिक कर्तव्य एवं मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया। डॉ. ममता उपाध्याय में नए संविधान के अन्य महत्वपूर्ण पक्षों पर प्रकाश डाला।

मानवाधिकार दिवस

दिनांक 10 दिसंबर 2020 को राजनीति विज्ञान विभाग के सौजन्य से मानवाधिकार दिवस का आयोजन महाविद्यालय में सादगी के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष के मानव अधिकार दिवस की थीम Recover better-Stand up for Human Rights में निहित भाव को ग्रहण करते हुए उपस्थित छात्राओं एवं प्राध्यापकों द्वारा मानवाधिकार की रक्षा हेतु शपथ ली गई। शपथ दिलाने का कार्य महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. शर्मा के द्वारा कराया गया। कार्यक्रम का आयोजन व संचालन करते हुए विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ ममता उपाध्याय ने छात्राओं को मानवाधिकार दिवस की प्रासंगिकता एवं महत्व से परिचित कराया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

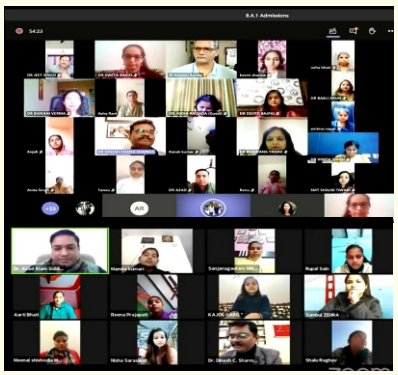

महाविद्यालय में नए सत्र के साथ ही ऑनलाइन माध्यम से समस्त संकायों द्वारा अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिनांक 11 दिसंबर, 2020 को वाणिज्य विभाग द्वारा ऑनलाइन माध्यम से बी.कॉम. प्रथम वर्ष में नवप्रवेशित छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें विभाग प्रभारी,डॉ. अरविंद कुमार यादव, ने छात्राओं को नई संस्था में प्रवेश हेतु शुभकामनाएं एवं महाविद्यालय के नियमों और उनके लिए महाविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न सह–शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई । दिनांक 12 दिसंबर, 2020 को बी0ए0 प्रथम वर्ष में प्रवेश प्राप्त छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ.0 शिवानी वर्मा द्वारा किया गया । डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा द्वारा छात्राओं को महाविद्यालय की विभिन्न सुविधाओं से अवगत कराकर उनको अपने आप को तकनीकी ज्ञान से अवगत रहने के लिए प्रेरित किया।दिनांक 14 दिसंबर, 2020 को बी.एड. विभाग द्वारा नव प्रवेशित छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से संचालित किया गया। विभाग प्रभारी डॉ.0बलराम सिंह ने छात्राओं को विभाग तथा कोर्स में होने वाले विभिन्न क्रियाकलापों से परिचित कराया। इसी क्रम में दिनांक 17 दिसंबर,2020 को विज्ञान संकाय में ऑनलाइन माध्यम से ही अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नवीन छात्राओं को महाविद्यालय से परिचित कराते हुए बी.एससी.पाठ्यक्रम के विभिन्न अनिवार्य एवं क्वालीफाइंग कोर्सों के विषय में जानकारी दी गई ।साथ ही एन.सी.सी.,एन.एस.एस. एवं रेंजर्स की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त स्नातकोत्तर विभाग की छात्राओं हेतु विभागीय स्तर पर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए। समस्त विभागों द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों की

''औद्योगिक उपक्रम एवं नवाचार के परिप्रेक्ष्य में नई शिक्षा नीति २०२०'' पर वेबिनार आयोजित

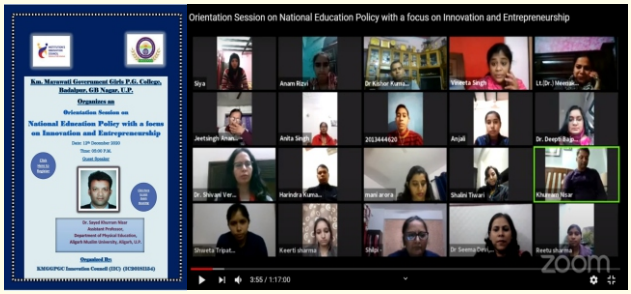

महाविद्यालय में दिनाँक 12 दिसम्बर,2020 को नवाचार समिति के सौजन्य से एक दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक था ''औद्योगिक उपक्रम एवं नवाचार के परिप्रेक्ष्य में नई शिक्षा नीति 2020''। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के उद्बोधन से हुआ, जहां उन्होंने सभी प्रतिभागियों को महाविद्यालय की नवाचार समिति के व्यापक लक्ष्यों सहित किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराते हुए मुख्य वक्ता डॉ. सैयद खुर्रम निसार, असिस्टेंट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का स्वागत किया। विषय के सापेक्ष बोलते हुए डॉ. सयैद खुर्रम निसार ने चौथी औद्योगिक क्रांति को उत्पादन के स्थान पर सेवा क्षेत्र के बढ़ते प्रभाव का परिणाम बताया। उन्होंने परंपरागत साक्षरता के थ्री–आर (रीडिंग,राइटिंग एवं अर्थमेटिक) के स्थान पर थ्री–सी (क्रिएटिव थिंकिंग,कम्युनिकेशन,क्रिएटिविटी एवं कोलैबोरेशन) को शिक्षा का नया प्रमाप बताते हुए सम्पूर्ण शिक्षण प्रक्रिया में परिवर्तन की आवश्यकता को अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह मूल कारक है, जो छात्रों में नवाचार एवं सृजनात्मकता की क्षमता विकसित करने की दशा एवं दिशा को प्रभावित करता है। प्रश्नों के उत्तर देते हुए डॉ. निसार ने छात्राओं का आह्वान किया और कहा कि यदि वे अपने दृष्टिकोण में नवाचार को स्थान दें तो निश्चित ही उनका जीवन भी नवीन चेतना से आलोकित होगा।समापन सत्र में नवाचार समिति संयोजिका डॉ. शिवानी वर्मा तथा समिति प्रभारी डॉ. अनीता सिंह द्वारा नवाचार आख्या प्रस्तुत की गई। अंत में वेबिनार कॉर्डिनेटर लेफ्टिनेंट (डॉ.) मीनाक्षी लोहनी द्वारा सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजीव कुमार द्वारा किया गया।

''कैरियर अवसर के रूप में उद्यमिता और नवाचार '' पर कार्यशाला

महाविद्यालय में दिनांक 17 दिसंबर 2020 को इनोवेशन समिति के तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ जी की अध्यक्षता में " Entrepreneurship And Innovation As Career Opportunity" विषय पर राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य वक्ता डॉ. सतेंद्र कुमार मैनेजर ,TBI & KIET थे। उन्होंने इनोवेशन से करियर के अवसर, इनोवेशन शोध एवं व्यक्तिगत कौशल विकास पर अपने व्याख्यान को केंद्रित किया। डॉ. कुमार ने इनोवेशन शोध की भावी संभावनाएं एवं नई सोच की ओर छात्राओं को प्रेरित किया। व्याख्यान के आखिरी चरण में छात्राओं के इनोवेशन कैरियर संबंधी प्रश्नों का समाधान भी डॉ. कुमार द्वारा किया गया, जो उनके भविष्य की दृष्टि से उपयोगी रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मणि अरोरा ने किया एवं कार्यशाला की सफलता में इनोवेशन समिति के सभी सदस्यों का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।

कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ के विभिन्न कार्यक्रम

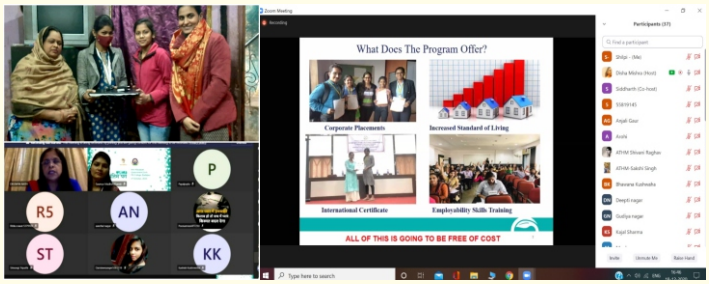

महाविद्यालय में क्रियारत कैरियर काउंसलिंग एवं रोजगार प्रकोष्ठ के तत्वाधान में विभिन्न प्रकार की रोजगार संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। इस क्रम में स्वयंसेवी संस्था मेधा के सौजन्य से ''व्यक्तित्व विकास एवं संप्रेषण'' विषय पर नियमित रूप से ईकैब की दो बैच की कक्षाएं माइक्रोसॉफ्ट टीम पर संचालित की जा रही है। लगभग 50 छात्राओं को नियमित प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप के विभिन्न अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के निर्देशन में मुंबई आधारित स्वयंसेवी संगठन टेक्नोसर्वइंडिया फाउंडेशन के साथ कोलैबोरेशन के लिए एम.ओ.यू साइन किया गया है। Technoserve Youth Employbility Program के अंतर्गत छात्राओं के लिए 60 घंटे की कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत रोजगार क्षमताओं के विकास हेतु निर्देशित एवं परामर्श प्रदान किया जाएगा। टेक्नोसर्व कैंपस टू कॉर्पोरेट कैरियर कार्यक्रम के द्वारा छात्राओं को रोजगार संबंधित कौशल जानकारी चार महत्वपूर्ण चरणों मे दी जाएगी– Career Readiness, Career Counselling, Career Access एवं Career Success दिनांक 18 दिसंबर 2020 को अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्राओं को पूरे प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी गई, जिससे छात्राएं वृहद स्तर पर लाभान्वित हुई।

''आत्मनिर्भर भारत'' विषय पर विद्वत समूह चर्चा

महाविद्यालय के इनोवेशन एवं इनक्यूबेशन समिति के तत्वावधान में दिनांक 19 दिसंबर 2020 को प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ की अध्यक्षता में ऑनलाइन समूह चर्चा का आयोजन किया गया जिसका विषय था ''Aatma Nirbhar Bharat Vocal For Local, Make In India For The World". उक्त पैनल डिस्कशन के अंतर्गत तीन गणमान्य विशेषज्ञों ने अपने अमूल्य व्याख्यान के माध्यम से कार्यशाला को प्रासंगिक बनाया । सर्वप्रथम शहीद मंगल पांडे राजकीय महाविद्यालय ,मेरठ की अर्थशास्त्र की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. भारती दीक्षित ने आत्मनिर्भर भारत अभियान की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इस महत्वाकांक्षी योजना को बड़े ही सारगर्भित एवं सरल तरीके से समझाया। साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था के ह्रास एवं उत्थान पर प्रकाश डाला । इसी दिशा में कार्यशाला को गति देते हुए दूसरी विशेषज्ञ वेद पाल सिंह, नवचेतना युवा समिति (NGO) के संस्थापक एवं राजकीय महाविद्यालय ,कांधला की भूतपूर्व प्राचार्य प्रोफेसर राजबाला आर्य ने आत्मनिर्भर भारत अभियान की प्रधानमंत्री मोदी आर्थिक पैकेज के बारे में विस्तार से बताया एवं इसकी प्रासंगिकता वोकल फॉर लोकल, मेक इन इंडिया फॉर वर्ल्ड से जोड़ते हुए बताया कि किस प्रकार विभिन्न ऋण एवं अनुदान के माध्यम से भारत का हर नागरिक स्वयं को आत्मनिर्भर बना सकता है। पैनल चर्चा के आखिरी विशेषज्ञ पंचवटी ग्रुप समिति के डीन प्रोफेसर निशांत वर्मा ने प्राचीन काल से ही आयुर्वेद आधारित चिकित्सा पद्धति से आत्मनिर्भर भारत पर चर्चा करते हुए चार फार्मेसी आयुर्वेद, एलोपैथिक, होम्योपैथिक एवं यूनानी पद्धति पर प्रकाश डाला । इसी क्रम में उन्होंने अपील की कि हमें एलोपैथिक की ओर केंद्रित न होकर आयुर्वेदिक चिकित्सा की ओर मजबूत कदम बढ़ाना चाहिए, ताकि आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को नई दशा एवं दिशा मिल सके। चर्चा के आखिरी चरण में महाविद्यालय की छात्राओं एवं प्राध्यापकों ने अपने कई प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए। इसी के साथ डॉ. दिनेश चंद शर्मा ने आत्मनिर्भर भारत पर अपने मौलिक एवं प्रासंगिक विचार छात्राओं के साथ साझा किये। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनीता सिंह के द्वारा किया गया। कार्यशाला का समापन डॉ. शिवानी वर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, गृहविज्ञान के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। कार्यशाला में इनोवेशन समिति के सभी सदस्यों एवं प्रतिनिधि छात्राओं का सार्थक योगदान रहा ।

साइबर क्राइम पर राष्ट्रीय कार्यशाला

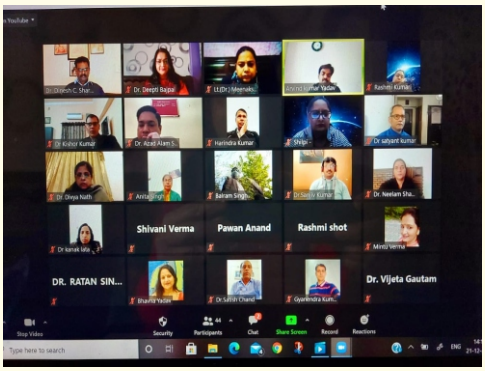

महाविद्यालय में 21 दिसंबर 2020 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका विषय था ''सायबर क्राइम''। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ ने प्रभावी तरीके से कार्यशाला के उद्देश्य पूर्ति हेतु मार्गदर्शन दिया । कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. डी.सी. शर्मा, डॉ. किशोर कुमार और डॉ. दीप्ति वाजपेयी थे। कार्यशाला संयोजक डॉ.अरविंद कुमार यादव ने कार्यशाला का संचालन किया। इस कार्यशाला के विशेषज्ञ श्री सुमित बिष्ट, वरिष्ठ सलाहकार और सलाहकार, ईवाई और श्री राहुल मिश्रा, साइबर सुरक्षा सलाहकार, यू.पी. पुलिस लखनऊ थे। कार्यशाला का पहला सत्र श्री सुमित बिष्ट द्वारा संचालित किया गया, जिन्होंने मुख्य रूप से ई–कॉमर्स की सुरक्षा और चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने ई–कॉमर्स, ई–कॉमर्स की चुनौतियों, इसकी सुरक्षा, तकनीकी समाधान, नीतियों और प्रक्रियाओं को बदलते कैनवस पर प्रस्तुत किया। दूसरे सत्र का संचालन उत्तर प्रदेश पुलिस के साइबर सुरक्षा सलाहकार श्री राहुल मिश्रा ने किया। उन्होंने विभिन्न प्रकार की धोखाधड़ी, जो भुगतान और खरीदारी करते समय अज्ञानता और लापरवाही के कारण हो रही है, विषय पर उपयोगी उद्बोधन दिया।इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस की वेबसाइट के बारे में उल्लेख किया, जहां कोई भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकता है और साइबर अपराध से संबंधित किसी भी तरह की मदद मांग सकता है। कार्यक्रम के अंत में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ.किशोर कुमार ने प्राचार्या, अतिथि वक्ताओं और सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद का औपचारिक वोट दिया। कार्यशाला के आयोजन में आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ सदस्य व कार्यशाला संयोजक श्रीमती शिल्पी का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।

अटल बिहारी वाजपेयी जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में महाविद्यालय में दिनाँक 21 दिसंबर से 25 दिसंबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें प्रथम दिवस ऑनलाइन माध्यम से वाजपेयी जी के जीवन सन्दर्भों पर आश्रित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 215 छात्राओं द्वारा अपनी सहभागिता प्रस्तुत की गई जिसमें 27 प्रतिभागियों ने शत प्रतिशत अंक प्राप्त किए। प्रतियोगिता के आयोजन में डॉ.मीनाक्षी लोहनी का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।दिनांक 22 दिसंबर को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया । समारोहिका डॉ. रश्मि कुमारी द्वारा सर्वप्रथम छात्राओं को प्रतियोगिता से सम्बन्धित निर्देश दिए । इस प्रतियोगिता में कुल 40 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अंत में कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मणि अरोड़ा द्वारा परिणाम घोषित किया गया। दिनाँक 23 दिसंबर को उक्त कार्यक्रमों की श्रृंखला में पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के विभिन्न पक्षों से संबंधित चित्रों को कलात्मक तरीके से दर्शाया। इस पेंटिंग प्रतियोगिता का परिणाम डॉ. शालिनी तिवारी के निर्देशन में घोषित किया गया । दिनाँक 24 दिसंबर को महाविद्यालय प्रांगण में भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा लिखित कविताओं एवं उनकी याद में छात्राओं द्वारा लिखी कविताओं पर काव्य प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता संस्था की प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ द्वारा की गई। निर्णायक का दायित्व डॉ. निधि रायजादा द्वारा निभाया गया। उक्त प्रतियोगिता के उपरांत माननीय प्राचार्या के कर कमलों से गत दिवसीय प्रतियोगिताओं की विजेता छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किये गए। दिनांक 25 दिसंबर को प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) दिव्या नाथ की अध्यक्षता और मुख्य समारोहिका डॉ. रश्मि कुमारी के संचालन में सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में माननीय स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र के समक्ष माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां विभिन्न शिक्षकों द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन से संबंधित प्रेरणादायक सन्दर्भों को साझा करते हुए उस महान विभूति को याद किया गया। तत्पश्चात् समारोहिका डॉ. रश्मि कुमारी द्वारा समस्त गतिविधियों पर आधारित सार–आख्या प्रस्तुत की गई तथा सतत् सहयोग हेतु सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवम छात्राओं का सहयोग एवं सहभागिता सराहनीय रही।

नवाचार एवं बौद्धिक सम्पदा विषयक वेबीनार

दिनांक 22 दिसंबर 2020 को महाविद्यालय में नवाचार समिति के सौजन्य से एक दिवसीय ऑनलाइन वेबीनार आयोजित किया गया, जिसका शीर्षक था ''नवाचार के प्राथमिक स्तर पर बौद्धिक संपदा के घटकों की पहचान''। उक्त कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, तथा कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में एम.एम.एच कॉलेज गाजियाबाद की अर्थशास्त्र विभाग की एसो. प्रो. डॉ. रीना सिंह उपस्थित थीं। कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यक्रम की संचालिका डॉ. शिल्पी द्वारा सभी का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् मुख्य वक्ता डॉ. रीना सिंह ने बौद्धिक संपदा पर विस्तार से चर्चा करते हुए इसके मूल अर्थ, प्रकार एवं इसके महत्व पर प्रकाश डाला तथा बौद्धिक संपदा के विभिन्न घटकों तथा ट्रेडमार्क,कॉपीराइट , औद्योगिक डिजाइन, भौगोलिक संकेत इत्यादि पर विस्तार से चर्चा की एवं छात्राओं की संबंधित समस्याओं एवं प्रश्नों का समाधान किया। कार्यक्रम के अगले पड़ाव पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी शर्मा द्वारा कई ज्वलंत प्रश्नों की ओर ध्यान आकर्षित किया गया एवं बौद्धिक संपदा अधिकार से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तनों की अनिवार्यता पर भी बल दिया। अंत में महाविद्यालय की राजनीति शास्त्र विभाग की प्राध्यापक डॉ. सीमा देवी द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अनीता सिंह सहित सम्पूर्ण समिति का योगदान रहा ।

''राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति'' पर अभिविन्यास कार्यक्रम

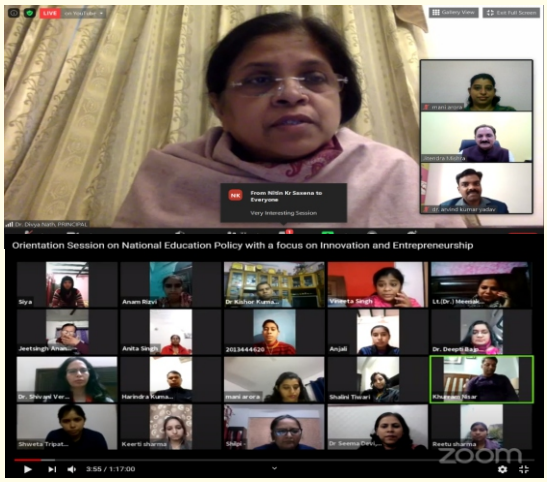

महाविद्यालय में दिनांक 26 दिसंबर 2020 को नवाचार समिति के सौजन्य से एक दिवसीय ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसका शीर्षक था ''राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप नीति''। उक्त कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. दिव्या नाथ के कुशल निर्देशन एवं अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनेस के निदेशक, डॉ. जितेंद्र कुमार मिश्रा आमंत्रित किए गए। सर्वप्रथम कार्यक्रम संचालक एवं महाविद्यालय के कॉमर्स विभाग के प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार यादव द्वारा सभी का स्वागत करते हुए वर्ष 2020 में महाविद्यालय में नवाचार परिषद् की स्थापना के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। तत्पश्चात् मुख्य वक्ता डॉ. जितेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि आवश्यकता समय पर ही अपना उद्देश्य निर्धारित कर उसके अनुसार ही शिक्षा–दीक्षा का चुनाव करने की है, अन्यथा हम बाकी देशों से पिछड़ जाएंगे। मुख्य वक्ता ने नई शिक्षा नीति पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि हमें किसी संस्था में नौकरी ढूढ़ने की बजाय नौकरी उत्पन्न करने पर जोर देना होगा । तत्पश्चात् प्रतिभागियों द्वारा मुख्य वक्ता से अपनी संबंधित जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया गया। उक्त कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापकों व छात्राओं ने प्रतिभाग कर स्वयं को विषय से लाभान्वित किया ।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों की विभिन्न गतिविधियां

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना कि दोनों इकाइयों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया 2 अक्टूबर 2020 गांधी जयंती के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के कर कमलों से महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना समिति के कार्यक्रम अधिकारी, समस्त सदस्य एवं महाविद्यालय के अन्य वरिष्ठ प्राध्यापक उपस्थित थे। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना समिति एवं अन्य समितियों के संयुक्त तत्वाधान में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए । शारदीय नवरात्र से अनवरत् संचालित इस कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना समिति कार्यक्रम अधिकारी एवं समस्त सदस्यों द्वारा महिला सुरक्षा सम्मान एवं अधिकारों के प्रति छात्राओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान, समूह चर्चा, निबंध, पोस्टर, स्लोगन प्रतियोगिता एवं मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण प्रदान किया। साथ ही छात्रों एवं अभिभावकों को महिला सुरक्षा एवं सम्मान की शपथ दिलायी गई। 1 दिसंबर 2020 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर निबंध पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इन प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में पुरस्कृत किया गया । दिसंबर माह में राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों में सौ–सौ स्वयंसेवी छात्राओं का पंजीकरण किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाई की कुछ छात्राओं ने राष्ट्रीय युवा सांसद उत्सव 2021 में प्रतिभाग किया और जूम लिंक के माध्यम से 26 दिसंबर को भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। इसमें चयनित छात्राओं ने 28 दिसंबर को निर्धारित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जिसमें महाविद्यालय की अंतिम नागर, नेहा गुप्ता एवं श्वेता कपासिया को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना कि दोनों इकाइयों द्वारा संचालित समस्त कार्यक्रमों में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनीता सिंह एवं डॉ. नीलम शर्मा, सलाहकार डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. दीप्ति वाजपेयी, श्रीमती शिल्पी, श्रीमती नेहा त्रिपाठी एवं सदस्य डॉ. विजेता गौतम, डॉ. प्रतिभा तोमर, डॉ. मणि अरोड़ा, डॉ. अरविंद सिंह यादव, डॉ. मिन्तु एवं डॉ. सोनम शर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

शिक्षक अभिभावक समागम

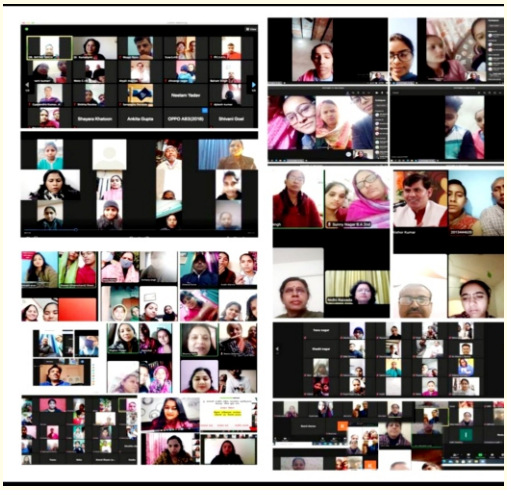

महाविद्यालय के सत्र 2020–21 में कोविड–19 के कारण महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ जी के निर्देशन में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के समस्त विभागों द्वारा व्यक्तिगत रूप से ऑनलाइन शिक्षक अभिभावक समागम का आयोजन किया गया । महाविद्यालय के समस्त विभागों के प्राध्यापकों ने इसमें प्रतिभागिता सुनिश्चित की । इस ऑनलाइन समागम में छात्राओं को होने वाली ऑनलाइन शिक्षा की समस्याओं पर अभिभावकों ने अपने विचार प्रस्तुत किए तथा इसके लाभों से भी अवगत कराया । समस्त अभिभावकों ने लॉकडाउन के समय में शिक्षकों द्वारा ऑनलाइन शिक्षण के प्रयासों की सराहना की । प्राध्यापकों द्वारा अभिभावकों एवं छात्राओं को महाविद्यालय द्वारा संचालित मेंटरशिप के विषय में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा अभिभावकों की विभिन्न जिज्ञासाओं व समस्याओं का निराकरण किया गया। बी.एड. संकाय के अभिभावकों की ओर से महाविद्यालय में छात्राओं के छात्रावास के निर्माण पर भी जोर दिया गया, इस हेतु प्राचार्या जी द्वारा अभिभावकों को संस्था की ओर से प्रयास करने का आश्वासन दिया गया। शिक्षक अभिभावक समागम महाविद्यालय की प्राचार्य जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कोरोना जागरूकता अभियान

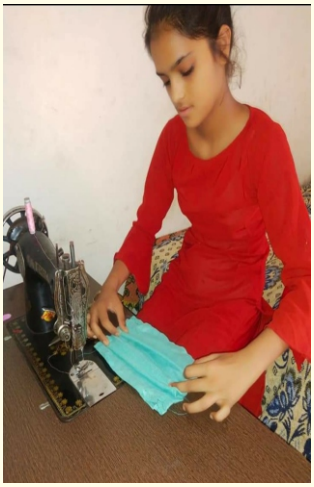

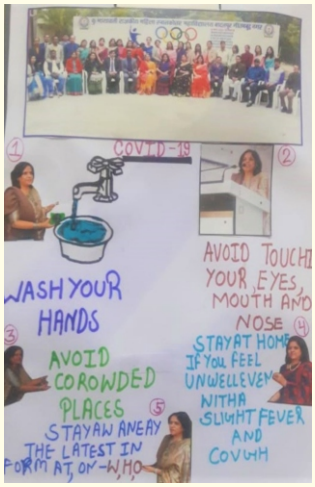

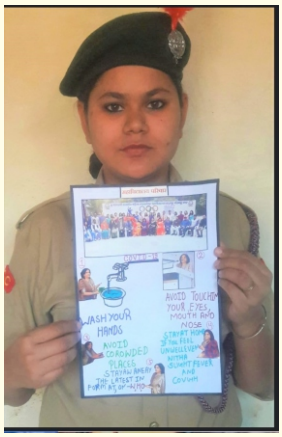

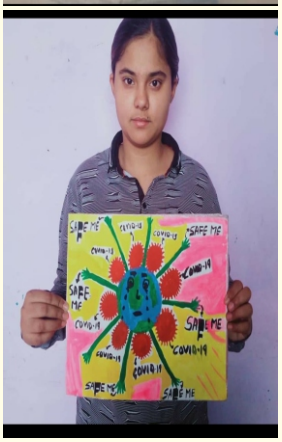

संरक्षिका
डॉ. दिव्या नाथ
(प्राचार्या)

छात्रा प्रतिनिधि-
कु. प्रवांशी पांडे, बी.एड्. द्वितीय वर्ष
कु. अंजलि नागर, एम.ए. द्वितीय वर्ष

सम्पादिका
डॉ. दीप्ति वाजपेयी
डॉ. मिन्तु
डॉ. नीलम शर्मा

KMGGPGC
स्थापना वर्ष-1997